MESSAGE OF HON'BLE GOVERNOR

OF PUNJAB AND ADMINISTRATOR, UT CHANDIGARH,

**SHRI V.P. SINGH BADNORE**

ON THE OCCASION OF

INDEPENDENCE DAY – 2019

 On the historic completion of 72 years of our country's Independence with its emergence as the largest democracy and a leading economy of the world, I extend my heartiest felicitations to the people of India, particularly of Punjab and Chandigarh.

 As we celebrate our Independence Day today, I respectfully bow to the heroes of our independence struggle – known and unknown – who fought, suffered and even sacrificed their lives to achieve freedom for us. The strong edifice of democracy, built by our founding fathers on the four pillars of justice, liberty, equality and fraternity has withstood several threats from both within and outside and has grown from strength to strength.

 The year 2019, has witnessed a major event of our democratic history in the form of the 17th Lok Sabha Elections. It is a matter of great joy and satisfaction that the elections were conducted peacefully. The enthusiasm shown by the people of Punjab and Union Territory, Chandigarh along with rest of the Nation in electing a popular democratic government has truly demonstrated to the world that India has is a mature democracy, with confident and forward looking people as visualised by our founding fathers.

 The State of Punjab has always been on the forefront and known as a Progressive state of India. It is the land of Gurus, Saints and Seers, land of Shaheed-e-Azam Bhagat Singh, Kartar Singh Sarabha, Shaheed Madan Lal Dhingra, Lala Lajpat Rai, Shaheed Udham Singh and countless other freedom fighters who fought selflessly and relentlessly to achieve Independence for our Country. The history of Punjab is full of selfless sacrifices made by the great gurus and martyrs who have always been a source of inspiration for all of us.

 This is, indeed a proud moment for each one of us as the 550th Parkash Purb of first Guru, Guru Nanak Dev Ji is being celebrated all over the world. Yearlong celebrations and many welfare schemes have been initiated to commemorate the Parkash Utsav. Lets us practice the preaching of Guru Nanak Dev Ji - **SARBAT DA BHALA (Welfare of all).**

I also appreciate the gesture of late Sh. Lakha Singh, a farmer from village Pakho-ki-Tahil in Dera Baba Nanak on the Indo-Pak border, who had given 16.5 acres of his land for the construction of Kartarpur Corridor without any condition, truly following the teachings of Sri Guru Nanak Dev Ji.

 Let us all strengthen our resolve to fight issues of drugs in the state with an iron hand with a Motto: **NA KARUNGA NA KARNE DOONGA**. The Universities, Colleges and other Educational Institutions, NGOs, Voluntary Organizations and parents should come together to work on one common agenda of making Chandigarh and Punjab drug free. Seven northern States Punjab, Rajasthan, Haryana, Himachal Pradesh and Uttrakhand, Delhi, Jammu & Kashmir and Chandigarh have already set up a joint working group to check the interstate flow of drugs.

 To ensure air, water quality and safe food together with a good living environment, "Mission Trandrust Punjab" has been launched in the State. Punjab being predominantly an agricultural state has pioneered the Green Revolution towards India's self sufficiency and food security. I would like to compliment the hard-working farming community of Punjab for its unstinted efforts in reducing the stubble burning practice which causes excessive pollution threat to the environment.

 In the Hon'ble Prime Minister of India, Shri Narendra Modi, we have a dynamic, dedicated and determined leader who reflects the aspirations and hopes of over a billion people. Hon'ble Prime Minister has given a clarion call to all of us, to evolve India that is inclusive, vibrant in growth opportunities and a strong leader in the comity of nations. Hon'ble Prime Minister's pioneering development initiatives have ushered in a new era in the development of India.

 I would also urge the people to strengthen the hands of Prime Minister, Shri Narendra Modi by focusing on Prime Minister's Jal Shakti Abhiyaan which has recently been launched in the Country to conserve water. Transparent and corruption free governance is the hallmark of the present government and we all have to adhere to.

 I call upon the people of Chandigarh and Punjab, Civil & Police Officers, Ex-Servicemen, Youth, Doctors, Academicians, Intellectuals, NGOs, Voluntary Organizations and Media to resolve to take our country to new heights with a new fervor and new energy.

 Let us, on this occasion, renew our pledge to collectively work hard performing our duties with sincerity, commitment, devotion and dedication, keeping the interest of our country upper most. Also contribute our might for the accomplishment of strong and prosperous **'NAYA BHARAT**" (**Sabka Saath, Sabka Vikas aur Sabka Vishwas)**.

 I once again wish you all, a very Happy Independence Day.

**JAI HIND**

पंजाब के राज्यपाल और प्रशासक, यू.टी. चंडीगढ़

**श्री वी.पी. सिंह बदनौर**

का स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर

 भाषण का प्रारूप

 हमारे देश की स्वतंत्रता के 72 वर्ष पूरे होने और इसके सबसे बड़े लोकतंत्र और विश्व की एक अग्रणी अर्थव्यवस्था के तौर पर उभरने के अवसर पर मैं भारत ख़ासकर पंजाब और चंडीगढ़ के लोगों को हार्दिक बधाई देता हूँ।

 आज स्वतंत्रता दिवस मनाने के अवसर पर मैं हमारे स्वतंत्रता संघर्ष के प्रसिद्ध और गुमनाम नायकों के समक्ष शीश झुकाता हूँ जिन्होंने अपनी जानें कुर्बान कर हमें स्वतंत्रता का दिन दिखाया। हमारे देश के नेताओं द्वारा न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के सिद्धांतों पर रखी गई लोकतंत्र की इमारत की नींव ने बहुत उतार-चढ़ाव देखे और इसमें से हमारा लोकतंत्र मज़बूत होकर उभरा।

 वर्ष 2019 हमारे लोकतंत्र के एक अहम हिस्से-17वीं लोकसभा चुनाव का पथप्रदर्शक बना। यह बहुत ही ख़ुशी और तसल्ली वाली बात है कि यह चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में हुए। पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के लोगों द्वारा बाकी देश के लोगों की तरह ही लोकतांत्रिक ढंग से अपनी मरजी की सरकार चुनने के लिए प्रगटाए गए उत्साह ने दुनिया को दिखा दिया कि एक लोकतंत्र के तौर पर भारत बहुत परिपक्व हो चुका है और जैसे कि इस देश के नेताओं का सपना था, देश के लोग आत्मविश्वास के साथ भरपूर और प्रगतिशील विचारों के हैं।

 पंजाब राज्य ने हमेशा ही अग्रणी रह कर भारत के एक प्रगतिशील राज्य के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। यह गुरूओं, पीरों, फकीरों, शहीद-ए-आज़म भगत सिंह, करतार सिंह सराभा, शहीद मदन लाल ढींगरा, लाला लाजपत राय, शहीद उधम सिंह और कई अन्य वीरों की धरती है जिन्होंने हमारे देश की आज़ादी के लिए अपना  सर्वस्व कुर्बान कर दिया। पंजाब का इतिहास महान गुरू साहिबान और शहीदों के साथ भरा पड़ा है जो कि हमारे सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

 यह हम सभी के लिए एक बेहद गौरवपूर्ण घड़ी है कि हम सभी पहली पातशाही साहिब श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व को दुनिया भर में मना रहे हैं। प्रकाश पर्व वर्ष भर मनाया जायेगा और इस सम्बन्धी कई लोक कल्याण स्कीमें शुरू की गई हैं। आओ, हम सभी श्री गुरु नानक देव जी के ‘सरबत दा भला’ के सिद्धांत को अपनाएं।

 मैं भारत-पाक सरहद पर डेरा बाबा नानक के गाँव पक्खो की टहल के किसान स्वर्गीय लक्खा सिंह का धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने बिना किसी शर्त के अपनी 16.5 एकड़ ज़मीन श्री करतारपुर साहिब गलियारा के लिए दे दी और श्री गुरु नानक देव जी के सिद्धांतों पर अमल करके दिखाया।

 आओ हम सभी मिलकर राज्य में नशों की जड़ को सख्ती से काटने के लिए वचनबद्ध हों और : न करूंगा, न करने दूंगा, का सिद्धांत अपनाएं। यूनिवर्सिटियाों, कॉलेजों और अन्य शिक्षा संस्थाओं के अलावा ग़ैर -सरकारी संगठनों, स्वै-सेवीं संस्थाओं और माँ बाप को आगे आकर चंडीगढ़ और पंजाब को नशों से मुक्त करवाने के सांझे एजंडे पर चलना चाहिए। उत्तरी भारत के 7 राज्यों - पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर और चंडीगढ़ द्वारा नशों के अंतरराज्यीय लेन-देन को रोकने के लिए एक सांझा वर्किंग ग्रुप पहले ही बनाया जा चुका है।

 लोगों को साफ़-सुथरी हवा, साफ़ पानी, गुणवत्ता भरपूर भोजन और रहने के लिए एक सभ्य वातावरण मुहैया करवाने के लिए ‘मिशन तंदुरुस्त पंजाब’ राज्य में शुरू किया गया है। पंजाब मूलभूत तौर पर एक कृषि प्रधान राज्य होने के कारण खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हरित क्रांति का प्रधान बना। मैं बेहद मेहनती पंजाब के किसानों को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने पराली जलाने के रुझान, जिसके कारण वातावरण प्रदूषित होता है, को रोकने में बेहद अहम भूमिका निभाई।

 हमें भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के रूप में एक ऐसा दृढ़ निश्चय वाला, मेहनती और ज़बरदस्त व्यक्ति मिला है जो कि एक अरब से अधिक लोगों की इच्छाओं का प्रतिनिधित्व करता है। माननीय प्रधानमंत्री ने हम सभी को भारत को एक ऐसा देश बनाने का न्योता दिया है जहाँ विकास के मौकों की कमी न हो और जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मज़बूत देश के तौर पर अपनी पहचान बनाए। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा भारत के विकास सम्बन्धी उठाए गए विभिन्न कदमों ने विकास की एक नई श्रृंख्ला चला दी है।

 मैं लोगों से अपील करता हूँ कि प्रधानमंत्री के जल शक्ति अभियान की तरफ विशेष रूप से ध्यान देकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को सशक्त बनाएं। यह अभियान देश में हाल ही में चलाया गया है जिसका मुख्य मंतव्य देश में पानी का संरक्षण करना है। मौजूदा सरकार का एक ख़ास पक्ष पारदर्शिता और भ्रष्टाचार विरोधी प्रणाली है जिसका हम सभी को पालन करना है।

मैं चंडीगढ़ और पंजाब के लोगों, सिविल और पुलिस अधिकारियों, पूर्व सैनिकों, नौजवानों, डॉक्टरों, शिक्षा विद्वानों, बुद्धिजीवियों, ग़ैर-सरकारी संगठनों, स्वै-सेवीं संस्थाओं और मीडिया को न्योता देता हूँ कि आओ, हम अपने देश को नई बुलन्दियों की तरफ ले जाने के लिए और जोश के साथ जुट जाएं।

 आओ, इस अवसर पर हम अपने फरज पूरी तनदेही, ईमानदारी, समर्पण और जी-जान से निभाने की फिर कसम खाएं और अपने देश के हितों को सबसे ऊपर रखें और ‘नया भारत’ (सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास) सृजन करने में अपना हर रूप से योगदान दें।

 एक बार फिर मैं आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देता हूँ।

**जय हिंद**